भास्कर एक्सक्लूसिव

फर्जीवाड़ा रोकने की कवायद

मनरेगा के 80 लाख जॉब कार्डधारकों का AI से फेस सत्यापन होगा, कोटा से शुरुआत

हेमराज गुर्जर | कोटा

पंचायतीराज में सबसे अधिक शिकायतें फर्जी जॉब कार्ड और हाजिरी की आती है। इन गड़बड़ियों को रोकने के लिए राज्य सरकार मनरेगा से जुड़े 80 लाख से अधिक श्रमिक परिवारों की ई-केवाईसी कराएगी। इसके साथ ही हर श्रमिक का एआई फेस ऑथेंटिकेशन से सत्यापन भी मोबाइल के माध्यम से होगा। हालांकि, यह सत्यापन संबंधित पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी ही कर पाएंगे। शेष | पेज 8

वह सब कुछ जो आपको जानना जरूरी

- सबसे पहले एनएमएमएस फेस ऑथेंटिकेशन एप बीटा वर्जन डाउनलोड करना होगा। यूजर आई और पासवर्ड भरेंगे, ये ग्राम विकास अधिकारी के पास ही होगा। इसके बाद ओटीपी मेट के पास जाएगा।
- फेस से फोटो मैच होगा। मैच नहीं होने पर ईकेवाईसी अमान्य होगी। इस प्रक्रिया में आधार कार्ड और जॉब कार्ड दोनों का मिलान करना होगा।

यह फायदा होगा... डुप्लीकेट श्रमिकों के नाम स्वतः ही हट जाएंगे। साथ ही फर्जी नामों से भी राहत मिलेगी। कई बार ये होता था कि श्रमिक की जगह अन्य फोटो अपलोड कर दिया जाता था।